तापमान
अधिकतम 43.1 डिग्री
न्यूनतम 22.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जून 2026

12 मंत्री विज ने अफसरों को ग्राउंड पर दिखाया आईना

12 बच्चे सोने से एक घंटा पहले बनाएं मोबाइल से दूरी : शैली

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था-तो अब इंतजार किस बात का

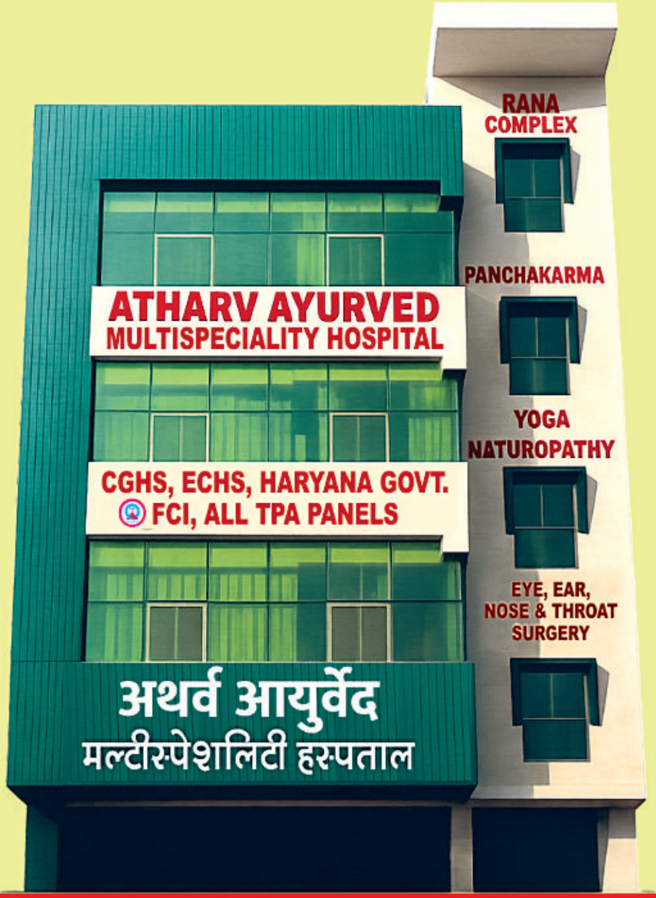

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Contact: 01262-257211
8053928881, 8053128881

Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.

1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें

बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।

पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

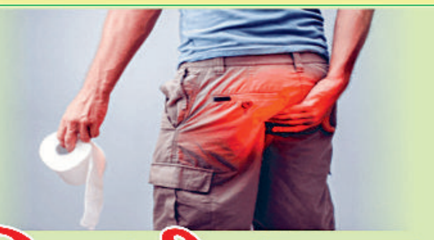

बिना चीर फाड़

Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो

हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में

आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain

जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नेचुरोपैथी

पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं

- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में
अग्निकर्म, रक्तमोक्षण
से तुरन्त आराम

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं क्वाईफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न, जोड़ों, मांस-पेशियों नसों की कमजोरी, चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी, स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

योग
नैचुरोपैथी
से
बिना दवा ईलाज

शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें,
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को सौंपा मांग पत्र

रादौर। अतिथि अध्यापक हरियाणा के बैनर तले शनिवार को गेस्ट टीचर का प्रतिनिधिमंडल रादौर में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से मिला। उन्होंने कृषि मंत्री से कोर्ट के आदेशों के मुताबिक प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें पक्का किए जाने की मांग को लेकर मांग पत्र सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गेस्ट टीचर संत कुमार व जितेंद्र कुमार ने किया। मौके पर उन्होंने उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय की खुशी में कृषि मंत्री का मुंह मीठा भी करवाया। इस अवसर पर सतीश वशिष्ठ, सोम प्रकाश, जगदीप भूषण, अनिल कौशिक, वीरेंद्र पांचाल, जसबीर, रितु गुप्ता, राजेश कुमारी, कमलजीत कौर, सतीश वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

मुकरामपुर में दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

यमुनानगर। बूडिया थाना क्षेत्र के गांव मुकारमपुर में रंजिश के चलते दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। मुकारमपुर निवासी अखिल ने बूडिया थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले गांव के ही नदीम, सादिक व शाहरुख खान के साथ किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई थी। तीनों आरोपी सगे भाई है। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था। मगर इसके बाद से तीनों आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। अखिल ने बताया कि चार जून को शाम छह बजे वह अपने घर पर काम कर रहा था। इस दौरान तीनों आरोपियों ने उनके घर में घुसकर उसके साथ जमकर मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

नगर निगम आयुक्त ने खुद सफाई कर लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

चेतावनी : खुले में डाला कचरा तो झेलनी पड़ेगी सख्त कार्रवाई

नागरिकों से शहर को साफ-सुथरा बनाने में सहयोग करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के तहत शनिवार को निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने स्वयं सफाई करके लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों को आहवान किया कि वह खुले में कचरा ना डालें और शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस दौरान निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने गुलाब नगर क्षेत्र का दौरा कर सफाई व्यवस्था एवं नालों की सफाई का निरीक्षण किया।

निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने गुलाब नगर में स्वयं सफाई कर क्षेत्र में सफाई की और आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों से खुले में कूड़ा कचरा न फेंकने तथा घरों का कचरा नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालने की अपील की। साथ ही खुले में कचरा डालने वालों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी नगर निगम की जिम्मेदारी। इसके बाद आयुक्त ने क्षेत्र के विभिन्न नालों का निरीक्षण कर सफाई कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिन नालों में गंदगी जमा मिलीए वहां मौके पर मौजूद सफाई कर्मचारियों से तत्काल सफाई कराई गई। कर्मचारियों ने आयुक्त महाबीर प्रसाद की मौजूदगी में नालों की सफाई कर जमा गंदगी को हटाया। निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी नालों की गहन सफाई सुनिश्चित की जाए। ताकि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि सफाई कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार,पार्षद दीक्षित कुमार, मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल, मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह, सफाई निरीक्षक गोविंद शर्मा आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। गुलाब नगर में लोगों के साथ सफाई करते निगमायुक्त महाबीर प्रसाद। फोटो : हरिभूमि

चोरों ने चार स्थानों से लाखों की नकदी और गहने उड़ाए

पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की कार्रवाई

यमुनानगर। चोरों ने चार अलग-अलग स्थानों को से लाखों की नकदी, सोने चांदी के आभूषण व अन्य सामान चोरी कर लिए। पुलिस ने चारों मामलों की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव जागधोली निवासी सुशील कुमार ने छप्पर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह चार जून को घर का ताला लगाकर बाहर गया था। अगले दिन जब लौटा तो घर का ताला टूटा था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। घर से एक क्विंटल 25 किलो गेहूं का आटा, एक क्विंटल गेहूं, 40 हजार कैश, सोने की अंगूठी, सोने की चेन, चांदी की चुटकी तथा 5100 रुपए का नोटों का हार गायब मिला। उधर, शहर की इंदिरा गार्डन निवासी मीना ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि तीन जून को वह किसी काम से घर से बाहर गई थी। वापस लौटने पर घर में सामान बिखरा मिला। जांच करने पर घर से सोने की चेन तथा पाजेब गायब मिली। जिसकी कीमत एक लाख तीन हजार रुपए है। वहीं, गांव हड़ोली निवासी कृष्ण पाल ने छछरौली पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि चोरों ने एक जून की रात को उनके घर में घुसकर गेहूं की टंकी से सात क्विंटल गेहूं चोरी कर ली। जिसकी कीमत करीब 16 हजार रुपए है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इसी प्रकार साढ़ौरा निवासी मीनू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 25 मई को घर का ताला लगाकर परिवार के सदस्यों के साथ किसी काम से बाहर गई थी। चार जून को जब वापस लौटी तो घर में सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर घर से एक लाख 25 हजार रुपये कैश, सोने का कड़ा, छह अंगूठियां, गले का सेट, गले की चेन तथा अन्य सामान गायब मिला। जिसकी कीमत तीन लाख 10 हजार रुपये है। जांच के दौरान उसे मालूम हुआ कि उसके घर से जसविंदर कुमार, धीरज, जसबीर व आशु ने सामान चोरी किया है। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पशु चिकित्सा को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता : राणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने उक्त शब्द सरस्वती नगर के राजकीय पशु चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में कहे। मौके पर उन्होंने जिले में दस नवनिर्मित राजकीय पशु चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण किया। इनमें पांच राजकीय पशु चिकित्सालय तथा पांच राजकीय पशु औषधालय शामिल हैं। इन संस्थानों के शुरू होने से जिले के पशुपालकों को अपने क्षेत्र के निकट ही बेहतर एवं आधुनिक पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पशुपालकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए जिले में दस नए राजकीय पशु चिकित्सा संस्थानों जिसमें राजकीय पशु चिकित्सालय सरस्वती नगर, चाहड़वाला, छछरौली व जगाधरी तथा राजकीय पशु औषद्यालय लेदी, चमरौड़ी, मुण्डा खेड़ा, सरांवा व बहादुरपुर का नवनिर्माण कार्य करवाया गया। उन्होंने बताया कि उक्त पशु चिकित्सालयों के भवनों के नवनिर्माण पर 337.16 लाख रूपये का खर्च आया है। इन भवनों के निर्माण से सभी पशुपालकों को अपने पशुओं के ईलाज के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान होगी।

श्याम सिंह राणा।

पशुधन विकास को बढ़ावा दे रही है सरकार

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार पशुपालकों को गुणवत्तापूर्ण पशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा पशुधन विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाना सरकार की प्राथमिकता है और नवनिर्मित संस्थानों के माध्यम से पशुपालकों को उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान तथा अन्य आवश्यक सेवाएं और अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध हो सकेंगी। मौके पर विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा प्रदेशभर में पशु चिकित्सा सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पशुपालकों को विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपनिदेशक डॉ. रणजीत सिंह जादौन आदि मौजूद रहे।

रजत पदक विजेता टेपबाल क्रिकेट टीम का गांव बापा में ग्रामीणों ने किया अभिनंदन

रादौर। ग्रामीणों ने शनिवार को गांव बापा में कार्यक्रम आयोजित कर ओडिशा के राउरकेला में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय जूनियर टेपबाल क्रिकेट प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच परमजीत सिंह पम्मा ने की। सरपंच परमजीत सिंह पम्मा व टीम के कोच जितेंद्र जीतु बापा ने बताया कि गांव की बेटियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश, जिले, ब्लॉक व गांव का नाम रोशन किया है। प्रदेश की जूनियर लड़कियों की टीम में फ्रैंडस क्लब सढुरा की खिलाड़ी तनिक्शा कश्यप, हरमनी पाल, हर्षिता पाल बापा व कोमल पोटली ने शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मैच में प्रदेश की टीम ने उपविजेता बनकर रजत पदक हासिल किया। वहीं, प्रदेश की जूनियर क्रिकेट टीम में भी फ्रैंडस क्लब बापा के पांच खिलाड़ी अक्सराज डेरा पासी, पारस डेरा पासी, विक्रांत दामला, अनिश पूर्णगढ़, वंश मेहरा शामिल रहे। इस अवसर पर महंत बंद्रीनाथ, दरोगा साहनी, राजेश व अनिल आदि मौजूद रहे।

समर्पण भाव से संगठन को मजबूत बनाएं: अरोड़ा

- बैठक में यमुनानगर व जगाधरी वर्कशाप मंडल के पदाधिकारियों ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

भाजपा के जिला कार्यालय यमुना कमल में शनिवार को पार्टी के यमुनानगर व जगाधरी वर्कशाप मंडल के पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने की। इस दौरान मुख्यातिथि के रुप में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने भाग लिया।

मुख्यातिथि एवं सिटी विधायक घनश्यामदास अरोड़ा ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह अपने कार्यकर्ताओं की मेहनत से बनी है। भाजपा की केंद्र में व राज्यों में व नगर निगम में सरकारे हैं। जो भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत से बनी हैं । सभी भाजपा कार्यकर्ता ऐसे ही लगातार मेहनत करते रहें। ताकि आने वाले चुनावों में भी लगातार भाजपा की सरकार बनती रहे। विधायक घनश्यामदास अरोड़ा ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात करते हुए संगठन की मजबूती और जनसेवा के कार्यों पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने बताया कि यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत भाजपा के यमुनानगर मंडल एवं वर्कशॉप मंडल के पदाधिकारियों के साथ आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। दोनों मंडलों में सभी शक्ति केंद्र प्रमुख बनाए जा चुके हैं। वहीं, बूथ अध्यक्ष व बीएलए टू बनाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश बूथ समितियों का गठन भी हो गया है। भाजपा संगठन के दिशा निर्देश के मुताबिक भाजपा कार्यकर्ता 23 जून तक सभी संगठनात्मक कार्य पूर्ण करेंगें। मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष मदन चौहान ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शुभम राणा, मंडल अध्यक्ष अमन सग्गर, पूर्व चेयरपर्सन रोजीमलिक आंनद, पूर्व चेयरमैन रामनिवास गर्ग, भाजपा नेता कृष्ण सिंगला, मंडल महामंत्री संदीप बजाज व भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग और जिला सोशल मीडिया प्रमुख विपिन साहनी आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। भाजपा जिला कार्यालय में मंडल कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेते मुख्यातिथि एवं सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा। फोटो : हरिभूमि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती उपयोगिता पर रखे विचार

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए एआई अत्यंत जरूरी: लाम्बा

होली मदर पब्लिक स्कूल में व्याख्यान में छात्र-छात्राओं के कौशल विकास पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

होली मदर पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में लेड डिस्कशन रचित लाम्बा ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मोनिका ने की। कार्यक्रम में शिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता रचित लाम्बा ने प्रतिभागियों को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग के प्रमुख घटकों जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग, पैटर्न रिकग्निशन, लॉजिकल थिंकिंग तथा एल्गोरिदमिक थिंकिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि एआई विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बताया कि प्रिपरेटरी स्टेज में इन कौशलों का विकास विद्यार्थियों में रचनात्मकता, जिज्ञासा, तार्किक चिंतन तथा समस्या समाधान क्षमता को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने एआई की मूलभूत अवधारणाओं, उसके दैनिक जीवन में उपयोग तथा शिक्षा के क्षेत्र में उसकी बढ़ती उपयोगिता पर भी विस्तार से बताया। मुख्य वक्ता रचित लाम्बा ने विभिन्न उदाहरणों एवं संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से विषय को सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार एवं अनुभव साझा किए तथा विषय से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि व्याख्यान आयोजित करने का मुख्य उदेश्य शिक्षकों को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई की आधारभूत अवधारणाओं से परिचित कराना तथा विद्यार्थियों में इन कौशलों के विकास के लिए आवश्यक दृष्टिकोण और रणनीतियों पर चर्चा करना रहा।

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में आयोजित व्याख्यान की सफलता पर खुशी जताते प्रतिभागी शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करें शिक्षक

लांबा ने कहा कि वर्तमान समय में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और एआई विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को कक्षा कक्ष में लागू करें और विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करें। मौके पर विद्यालय के चेयरमैन जीएस शर्मा ने कहा कि शिक्षा में नवाचार और तकनीकी दक्षता समय की आवश्यकता है। ऐसे शैक्षिक कार्यक्रम शिक्षकों को नई सोच और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ते हैं। जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सहायता मिलती है। मौके पर स्कूल के एसटीएनसी डेकी पांडेय ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

न्यूज डायरी

तपती गर्मी में राहगिरों के लिए लगाई छबील

यमुनानगर। ट्विन सिटी में शनिवार को श्रद्धालुओं ने कई स्थानों पर मीठे जल की छबील लगाकर राहगिरों को ठंडा मीठा जल पिलाकर पुण्य कमाया। इस दौरान कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने उबले हुए चने व हलवे का प्रसाद भी वितरित किया। शनिवार को ट्विन सिटी के मॉडल टाउन, औद्योगिक नगर, जगाधरी समेत आधा दर्जन स्थानों पर श्रद्धालुओं को छबीलें लगाकर लोगों को मीठा जल पिलाया। मौके पर श्रद्धालु रोहित, सुरेश, पंकज, सुमित, सुरेंद्र व लोकेश आदि ने बताया कि पिछले कई दिन से मौसम में तेज गर्मी की तपिश व उमस बन रही है। ऐसे में लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। जिसे देखते हुए श्रद्धालु पिछले कई दिन से ट्विन सिटी समेत जिले भर में अलग-अलग स्थानों पर छबीलें लगाकर राहगिरों को गर्मी से राहत दिला रहे हैं। वहीं, सतीश व वीरभान आदि ने कहा कि जल ही जीवन है जल के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। मौके पर रणबीर सिंह, सुखदेव, मोहित, विजयपाल, विरेंद्र, संजय, विशाल व विक्की आदि मौजूद थे।

निक्षय मित्र योजना के तहत मरीजों को बांटा राशन

रादौर। मुकंद संस्था द्वारा रादौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को निक्षय योजना के तहत मरीजों को राशन वितरण किया गया। इस दौरान केंद्र के एसएमओ डॉ. विजय परमार व डॉ. अजय शर्मा मौजूद रहे। डॉक्टर अजय शर्मा ने सभी मरीजों को बताया कि वह सभी अपनी दवाई को समय पर लें और इसके साथ साथ जो पौष्टिक आहार सभी को दिया जा रहा है। डॉ. विजय ने सभी मरीजों को बताया कि जिस भी मरीज को बलगम में टीबी आई है तो वो अपने परिवार के सदस्यों की जांच करवाकर सभी घरवालों को टीपीटी जरूर खिलाए। उन्होंने सभी मरीजों को टाइम से राशन लेने आने के लिए भी आग्रह किया गया। कार्यक्रम में 60 मरीजों को राशन वितरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनुश्री, दीपिका व प्रिंस आदि मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को दी एसआईआर की जानकारी

रादौर। भाजपा द्वारा शनिवार को रादौर के सफल पैलेस में संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यातिथि के रुप में भाजपा के एसआईआर जिला प्रभारी अशोक गुर्जर ने भाग लिया। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रुप में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मौजूद रहे। मुख्यातिथि अशोक गुर्जर ने एसआईआर के बारे में कार्यकर्ताओं को विस्तार से जानकारी दी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पार्टी के बीएलए के बलबूते ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करती है। जिस कारण पार्टी जीत जाती है। कृषि मंत्री ने चारो मंडल अध्यक्षों को बुके भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक बीएल सैनी, चेयरमैन ईश्वर सिंह प्लाका, चेयरमैन विपिन कंबोज, चेयरमैन धर्म सिंह बंचल, चेयरमैन रजनीश मेहता, मास्टर सतपाल कांबोज मंधार, नेपाल राणा व उपाध्यक्ष हैप्पी खेड़ी आदि मौजूद रहे।

बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर का 8 जून से

यमुनानगर। नराजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जिला की सीमा स्थित हथनी कुंड बैराज पर 8 जून से 12 जून तक पांच दिवसीय राज्यस्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता ने दी। जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता ने बताया कि जिले में हथनी कुंड बैराज पर राज्यस्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 8 जून को शाम 4 बजे शुभारंभ किया जाएगा। वहीं, 12 जून को दोपहर 12 बजे शिविर का समापन किया जाएगा। इस शिविर में प्रदेश भर के प्रतिभागी भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में जान माल की रक्षा के उद्देश्य से प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। जब कभी बाढ़ जैसी स्थिति अथवा प्राकृतिक आपदा आती है तो प्रशिक्षण में सिखाया गया कौशल हमारी मदद करता है। जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर कौशल सीखने का महत्वपूर्ण जरिया होता है। यह राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मानसून से पूर्व राज्य में किसी भी प्रकार की बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए उक्त प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। इसमें राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे।

ड्यूटी के दौरान पुलिस कर्मचारियों के साथ मारपीट

यमुनानगर। साढ़ौरा बस स्टैंड पर ड्यूटी के दौरान पुलिस टीम के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार साढ़ौरा पुलिस थाने में तैनात ईएएसआई नरेश कुमार ने बताया कि वह ईवीआर इंचार्ज है। शुक्रवार शाम को वह एचजीइच रशीद व एसपीओ रविकांत के साथ बस स्टैंड साढ़ौरा पर ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान वहां पर आशीष नामक युवक आया। जब उन्होंने आरोपी को पूछताछ के लिए रोका तो आरोपी तेश में आ गया। आरोपी ने उनके साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया और उसे थाने लेकर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी आशीष के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

युवती ने युवक पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप

यमुनानगर। शहर की एक कालोनी निवासी 21 वर्षीय युवती ने युवक पर उसे प्रेम जाल में फंसा कर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को करनाल पुलिस को ट्रांसफर कर दिया। जानकारी के अनुसार शहर की एक कालोनी निवासी युवती ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि 2023 में उसकी जान पहचान विशाल नामक युवक के साथ हुई थी। आरोपी ने उसे पुराना बस स्टैंड करनाल में मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए गई तो आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसा कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी उसके साथ गलत काम करता रहा। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ महिला पुलिस थाने में शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को करनाल पुलिस को ट्रांसफर कर दिया।

खुदकुशी मामले में पति व सास पर केस दर्ज

यमुनानगर। गांव रतनपुरा निवासी 25 वर्षीय शिवानी द्वारा पश्चिमी यमुना नहर में कूद कर खुदकुशी करने के मामले में पुलिस ने मृतका के पति मनीष व सास के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह मामला मृतका के पिता बाकरपुर निवासी चंद्रपाल की शिकायत पर दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार गांव बाकरपुर निवासी 25 वर्षीय शिवानी ने करीब एक साल पहले गांव रतनपुरा निवासी मनीष के साथ अंतरजातीय विवाह किया था। शादी के बाद से शिवानी का पति व सास उसे प्रताड़ति करने लगे। इसी के चलते शिवानी ने दो दिन पहले तीर्थ नगर में पश्चिमी यमुनानगर में कूद कर खुदकुशी कर ली थी। शिवानी छह माह की गर्भवती भी थी। शिवानी के पिता चंद्रपाल ने उसके पति मनीष व सास पर उसे प्रताड़ति करने का आरोप लगाया था। चंद्रपाल ने पुलिस को शिकायत दी थी कि शिवानी ने मनीष व अपनी सास के प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी की है। आरोपियों ने उसकी बेटी को खुदकुशी करने के लिए मजबूर किया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कुरुक्षेत्र। पिपली स्थित दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाइवे-44 की सर्विस लेन पर हरियाणा रोडवेज की बस की टक्कर से बाइक सवार रिंकू (39) निवासी चंद्रभानपुरा की मौत हो गई। रिंकू लकड़ी के काम की ठेकेदारी करता था और सुबह किसी निजी कार्य से पिपली जा रहा था। देवीलाल पार्क के सामने करनाल की ओर से आ रही झज्जर डिपो की बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रिंकू को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस और बाइक कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से महिला की मौत

कुरुक्षेत्र। नेशनल हाईवे-152डी पर गंगहेड़ी कट के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला रजनी (35) की मौत हो गई। रजनी कैथल जिले के देबन गांव में अपने पति शंभू के साथ रहती थी और मूल रूप से नेपाल की निवासी थी। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे महिला सड़क पर गिर गई और ट्रक का पहिया उसकी टांग के ऊपर से गुजर गया। गंभीर घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक और महिला का पति दोनों मौके से फरार हो गए। पुलिस जांच में जुटी है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आज

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की नीति के तहत तथा क्लस्टर गठन कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों के लिए 7 जून को होने वाले एक दिवसीय कृषि कार्यशाला की सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गुजरात राज्यपाल आचार्य देवव्रत, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा शिरकत करेंगे। इस कृषि कार्यशाला का आयोजन कुवि के श्रीमद् भगवद् गीता सदन में किया जाएगा।

हरिओम बने अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश सचिव

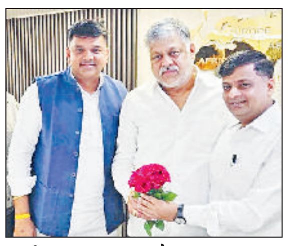

पिहोवा। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा ने समाजसेवी एवं संगठन के सक्रिय सदस्य हरिओम अग्रवाल को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनकी सामाजिक सेवाओं, संगठन के प्रति समर्पण और लंबे अनुभव को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंसा पर की गई। संगठन के महासचिव बलराम गुप्ता ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए विश्वास जताया कि हरिओम अग्रवाल संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

रोटरी क्लब ने स्कूल को भेंट किए पांच कंप्यूटर

शाहबाद। रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा ने समाजसेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में खानेवाल खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल को पांच कंप्यूटर भेंट किए। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों और क्लब प्रधान डॉ. आर.एस. घुम्मन के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को कंप्यूटर उपलब्ध कराना प्रेरणादायक पहल है। स्कूल के प्रधानाचार्य गुरमीत सिंह ने क्लब का आभार जताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

गुरुकुल में आर्य वीरांगना दल शिविर में बेटियों ने दिखाया आत्मरक्षा व अनुशासन का दम

कठोर अनुशासन और सही मार्ग का चयन जीवन में सफलता का मूलमंत्र

- शिविरार्थियों ने सूर्य नमस्कार, योग, लाठी, कराटे, लेजियम और पीटी का शानदार प्रदर्शन कर अतिथियों व अभिभावकों की सराहना बटोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। शिविर में मंचासीन अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा और गुरुकुल कुरुक्षेत्र के वेद प्रचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गुरुकुल परिसर में लगे आर्य वीरांगना दल का प्रान्तीय जीवन निर्माण शिविर का आज भव्य समापन हुआ। सभा के महामंत्री विजयपाल आर्य समारोह के मुख्य अतिथि तथा विख्यात वैदिक विद्वान डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की प्रधान संचालिका व्रतिका आर्या, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानन्द, गुरुकुल के प्राचार्य सूबेप्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, वरिष्ठ भजनोपदेशक जयपाल आर्य, जसविन्द्र आर्य, मोहनलाल आर्य सहित शिविर में अहम भूमिका निभा रही सभी शिक्षिकाएं भी समारोह में मौजूद रहीं। शिविर के दौरान 100 आर्य वीरांगनाओं ने साप्ताहिक यज्ञ का प्रण लिया जिन्हें गुरुकुल प्रबंधक समिति द्वारा हवन-कुंड और वैदिक साहित्य देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए सभा के महामंत्री विजयपाल आर्य ने कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा और गुरुकुल कुरुक्षेत्र का यह संयुक्त प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इस जीवन निर्माण शिविर का उद्देश्य केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाना नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक रूप से भी बेटियों को राष्ट्र रक्षा के लिए तैयार करना है। आज देश को ऐसी ही सशक्त और निर्भीक वीरांगनाओं की आवश्यकता है जो आत्मरक्षा के साथ-साथ राष्ट्र की संस्कृति की रक्षा भी कर सकें। विशिष्ट अतिथि एवं विख्यात वैदिक विद्वान डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने कहा कि आज इन बेटियों का पराक्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास देखकर हृदय अत्यंत हर्षित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय, चुनौतियों का समय है। बालिकाओं को अच्छे संस्कार देना बेहद आवश्यक है ताकि वे अपने माता-पिता और परिवार का गौरव बने।

सूर्य नमस्कार का किया प्रदर्शन

मुख्य शिक्षिका सुमेधा आर्या और उनकी पूरी टीम ने जिस लगन से इन बालिकाओं को तराशा है, वह आज इनके प्रदर्शन में साफ झलक रहा है। मैं सभी अभिभावकों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने अपनी बेटियों को इस शिविर में भेजकर उनके सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया। आर्य प्रतिनिधि सभा बेटियों के उत्थान और वैदिक प्रचार-प्रसार के ऐसे कार्यों के लिए सदैव तत्पर और प्रतिबद्ध रहेगी। मुख्य शिक्षिका सुमेधा आर्या के नेतृत्व में आर्य वीरांगनाओं ने सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, सर्वांग सुन्दर व्यायाम, पी.टी., योगासन, स्तूप निर्माण, लाठी, लेजियम, डम्बल, कराटे आदि का शानदार प्रदर्शन किया जिसे पंडाल में उपस्थित सभी अतिथियों एवं अभिभावकों ने खूब सराहा। समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा सभी शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। अन्त में गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग ने शिविर के सफल समापन पर सभी को बधाई दी और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सही रास्ते का चुनाव करें: डॉ. विद्यालंकार

डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने बालिकाओं से आह्वान किया कि वे जीवन में सही निर्णय लें, हमेशा सही रास्ते का चुनाव करे, ऐसा कोई कदम न उठाए। उन्होंने कहा कि कठोर अनुशासन और अच्छे रास्ते की पहचान करना जीवन में आगे बढ़ने का मूलमंत्र है। शिविर में सिखायी गई अच्छी बातों को अपने जीवन में आत्मसात करें और दूसरों के जैसा नहीं बल्कि दूसरों को अपने जैसा अच्छा बनने के लिए प्रेरित करें। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने जिस सशक्त, विदुषी और स्वावलंबी नारी की कल्पना की थी, आज इस शिविर के माध्यम से वह धरातल पर साकार होती दिख रही है। आर्य वीरांगना दल केवल शारीरिक प्रशिक्षण का केंद्र नहीं है, बल्कि यह हमारी बेटियों के भीतर के आत्मबल को जगाने का पावन अनुष्ठान है। आज के युग में जहाँ पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में युवा पीढ़ी संस्कारों से दूर हो रही है, वहीं गुरुकुल कुरुक्षेत्र के आँगन में बेटियाँ लाठी, कराटे और योगासनों के साथ-साथ वैदिक मूल्यों को आत्मसात कर रही हैं। एक वीरांगना जब सशक्त होती है, तो वह केवल अपना नहीं, बल्कि पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों का निर्माण करती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यहाँ से संस्कारित होकर जा रही ये वीरांगनाएँ समाज में व्याप्त कुरीतियों और अन्याय के खिलाफ एक ढाल बनकर खड़ी होंगी।

किसान विक्रमजीत के बाग के सेबों की सीएम नायब सैनी ने की सराहना

कुरुक्षेत्र। गांव बाबाकपुर कुरुक्षेत्र के प्रगतिशील किसान विक्रमजीत ने अपने बाग में उगाए गए ताजा एवं गुणवत्तापूर्ण सेब मुख्यमंत्री नायब सैनी को भेंट किए। मुख्यमंत्री सहित उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने सेबों का स्वाद लिया और उनकी उत्कृष्ट गुणवत्ता, मिठास तथा स्वाद की भरपूर सराहना की। यह उपलब्धि दर्शाती है कि हरियाणा के किसान आधुनिक बागवानी तकनीकों को अपनाकर उच्च गुणवत्ता वाले फलों का सफल उत्पादन कर रहे हैं। विक्रमजीत का यह प्रयास क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। वर्ष 2022 में लगाए गये अन्ना एवं डोर्सट गोल्डन किस्म के सेब अब अच्छा उत्पादन दें रहे हैं। किसान ने सघन बागवानी पद्धति अपनाते हुए एक नई मिसाल पेश की है।

थाना स्तर पर लगेगा जनता दरबार

एसपी चन्द्र मोहन सुनेंगे लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

एसपी चन्द्र मोहन।

पारदर्शी, संवेदनशील और त्वरित समाधान के साथ पुलिस-जनता संवाद को मजबूत बनाने पर रहेगा जोर

जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस-जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन ने थाना स्तर पर जनता दरबार आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत प्रत्येक सप्ताह एक थाना में जनता दरबार लगाया जाएगा, जिसमें संबंधित थाना क्षेत्र के नागरिक अपनी शिकायतें सीधे पुलिस अधीक्षक के समक्ष रख सकेंगे।पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, निर्धारित दिन संबंधित थाना प्रभारी सहित सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहेंगे, ताकि शिकायतों की मौके पर ही सुनवाई कर प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। एसपी चन्द्र मोहन ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना है। कई बार शिकायतकर्ताओं को उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता या समाधान में देरी होती है, जिसे इस व्यवस्था से दूर किया जाएगा।

हरियाणा गर्वमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की जिला कार्यकारिणी गठित

सतीश कुमार प्रधान व अशोक बने चेयरमैन

कुरुक्षेत्र। हरियाणा गर्वमेन्ट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन मुख्यालय चरखी दादरी की जिला कमेटी कुरुक्षेत्र का त्रिवार्षिक चुनाव यूनियन कार्यालप पीपली में राज्य उप प्रधान ईश्वर दहिया एवं राज्य प्रेस सचिव विनोद शर्मा की देख-रेख में सर्व सम्मति से हुआ। चुनाव सभा में राज्य चैयरमैन सतपाल वर्मा व राज्य प्रधान कुलवन्त शर्मा व राज्य उप प्रधान तेज पाल गुर्जर व इन्द्रपाल सिंह मौजूद थे। सर्व सम्मति से जिला प्रधान सतीश कुमार को चुना गया तथा जिला चैयरमैन अशोक यादव को बनाया गया। जिला सचिव करण कुमार तथा जिला कोषाध्यक्ष विक्रम जीत तथा उपप्रधान सुखविन्द्र सिंह तथा कार्यालय सचिव सजीव कुमार तथा आडिटर मुनीत शर्मा को सर्वसम्मति से बनाया गया। राज्य उपप्रधान ईश्वर दहिया ने नवनिर्वाचित को यूनियन के सविधान के तहत शपथ दिलाई। जिला कमेटी के पदाधिकारियों ने भाईचारा के लिए काम करने तथा संगठन को मजबूत करने का आहवान किया।

भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष साहिल सुधा ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

16 गांवों की टीमें ले रही भाग प्रथम पुरस्कार 12,100 रुपये

कुरुक्षेत्र। भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष साहिल सुधा ने शनिवार को ग्राम समसीपुर खेल मैदान में आयोजित दयालपुर एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस टूर्नामेंट में आसपास के लगभग 16 गांवों की टीमें भाग ले रही हैं, जिससे क्षेत्र में खेल भावना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिल रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहिल सुधा ने कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती खेल प्रतिभाओं की जन्मभूमि रही है, जिसने देश को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं।उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 12,100 रुपये तथा द्वितीय पुरस्कार 5,100 रुपये निर्धारित किया गया है। सभी मैच 5-5 ओवर के खेले जाएंगे, जिससे खिलाड़ियों में उत्साह है।

सीएम ने विश्वविद्यालय में 9 करोड़ के सभागार का लोकार्पण किया था

आयुष विवि के विकास को मिली नई दिशा

- सीएम का आगमन विवि परिवार के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बना : प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। अधिकारियों से बातचीत करते श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय आगमन पर कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति से विश्वविद्यालय परिवार को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित परीक्षा एवं बहुउद्देशीय सभागार का लोकार्पण किया तथा करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। कुलपति ने कहा कि कुलगीत विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपराओं, मूल्यों और उद्देश्यों का प्रतीक है। यह विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में संस्थान के प्रति आत्मीयता, समर्पण और गौरव की भावना को और सुदृढ़ करेगा। कुलपति ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। आयुष विवि मुख्यमंत्री के आह्वान पर इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

गोजू-रयू कराटे में 9 खिलाड़ियों ने हासिल की ब्लैक बेल्ट

कुरुक्षेत्र। गोजू-रयू कराटे की पारंपरिक शैली में आयोजित ब्लैक बेल्ट परीक्षा में 9 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित ब्लैक बेल्ट प्राप्त की। यह परीक्षा 5 जून 2026 को राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर एवं चैंपियनशिप के दौरान आयोजित की गई, जिसमें खिलाड़ियों ने वर्षों की कठिन साधना और दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के बाद सफलता हासिल की। ब्लैक बेल्ट प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में ओजस्वी, जानवी, ओशीन, अवनि, किरण, रविंदर कुमार, संजीव, आरव गुप्ता व स्वस्तिक आर्य शामिल रहे।

दिग्विजय सिंह चौटाला ने कई गांवों में जनसंपर्क किया

पिहोवा। जन-जन अभियान के तहत युवा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने पिहोवा हलके के विभिन्न गांवों का व्यापक जनसंपर्क दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ईशाक, बाखली, मांगना, खेड़ी शीशग्रा, मुस्तापुर, मलिकपुर सहित कई गांवों में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने किसान, युवा और आमजन से जुड़ी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। चौटाला ने आश्वासन दिया कि इन मुद्दों को मजबूती से संबंधित मंचों पर उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन-जन अभियान जनता की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए एक जनआंदोलन है। कुलदीप जखवाला, जसविन्द्र खैहरा, गुरलाल वड़ैच, प्रोफ रणधीर सिंह, राजेश पाइलट, योगेश शर्मा, होशियार सिंह सूर्य प्रताप, अनवर खान, विशाल आदि मौजूद रहे।

विद्या भारती के छात्रों का एनआईटी कुरुक्षेत्र में शैक्षणिक भ्रमण

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती के मेधावी छात्रों के सर्वांगीण विकास और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस दौरान तीन तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ प्रोफेसरों ने छात्रों को मार्गदर्शन दिया। सत्रों में 'प्लेजर हार्मोन्स', आधुनिक लेजर साइंस और एआई आधारित सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से भी अवगत कराया गया।

सांझी कार्यशाला महिलाओं ने दिखाई पारंपरिक कला की झलक

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा द्वारा कला कीर्ति भवन में आयोजित तीन दिवसीय सांझी कार्यशाला के दूसरे दिन स्थानीय महिलाओं और छात्राओं ने पारंपरिक लोक कला का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने मिट्टी से सांझी माता के विभिन्न अंग, आभूषण और धार्मिक प्रतीक तैयार किए। मुख्य प्रशिक्षक मीनाक्षी ने महिलाओं को सांझी कला की बारीकियों, मिट्टी तैयार करने और डिजाइनों को उकेरने का प्रशिक्षण दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यशाला हरियाणा की लुप्त हो रही लोक कला को संरक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नीट पेपर लीक से युवाओं का भविष्य प्रभावित : सुरेंद्र सैनी

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस ओबीसी सेल के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी ने कहा कि नीट और एचपीएससी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण आम जनता व युवा वर्ग सबसे अधिक परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से आम आदमी का बजट बिगड़ गया है। सैनी ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और अपराध का ग्राफ भी बढ़ रहा है। वे युवा कांग्रेस के सीएम आवास घेराव कार्यक्रम से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. रविंदर जीत ने दिया पर्यावरण संरक्षण और सकारात्मक संवाद का संदेश

यूएसएफ कुरुक्षेत्र में व्यक्तित्व विकास पर रोजगार परक कार्यशाला

सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास से ही असफलता को बदला जा सकता है सफलता में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

थानेसर। छात्राओं को संबोधित करती आस्था सिद्धांत। फोटो : हरिभूमि

यूएसएफ कुरुक्षेत्र द्वारा डॉ. सुषमा शर्मा के मार्गदर्शन में सकारात्मक भाषा एवं प्रभावी मौखिक संवाद विषय पर एक विशेष रोजगारपरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शालिनियों के संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास एवं आत्मविश्वास को मजबूत बनाना तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रोहिणी (दिल्ली) के एमबीए विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त डॉ. रविंदर जीत उपस्थित रहे। उन्होंने प्रेरणादायी शब्दों में कहा कि हर असफलता हमें सफलता की ओर ले जाती है। उन्होंने शालिनियों को सकारात्मक सोच अपनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि बेहतर संवाद क्षमता व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को भी बढ़ाती है। कार्यक्रम की दूसरी संसाधन वक्ता सुश्री आस्था सिद्धांत रहीं, जो आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षिका एवं मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, गुरुग्राम में आईबी टीचर हैं। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों, संवाद अभ्यास एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से शालिनियों को प्रभावी संवाद शैली, सकारात्मक भाषा, मानसिक शांति तथा व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। उनके सत्र ने प्रतिभागियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. सुषमा शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा प्रकृति के प्रति सामाजिक जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी को दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक कदम अपनाकर पर्यावरण को सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया।

कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में 7डी थिएटर का उद्घाटन

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक इकाई, कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर अत्याधुनिक 7डी थिएटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. ब्रह्मजीत सिंह, निदेशक, एनआईटी कुरुक्षेत्र तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील ढींगरा, निदेशक, यूआईईटी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. ब्रह्मजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 7डी थिएटर जैसी अत्याधुनिक सुविधा का कुरुक्षेत्र में स्थापित होना क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इसके माध्यम से वे पर्यावरण, जैव विविधता तथा वन्य प्रजातियों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता को रोमांचक एवं अनुभवात्मक तरीके से समझ सकेंगे।

खबर संक्षेप

सीढ़ी से गिरने से बिजली मैकेनिक की मौत

अंबाला। सुंदर नगर में दोपहर के समय बिजली का काम करते समय सीढ़ी से गिरने पर व्यक्ति हरीश की मौत हो गई। परिजन खून से लथपथ हालत में शव लेकर अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर ने मृत घोषित करने के बाद पुलिस को सूचित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पड़ाव थाना प्रभारी देवेंद्र का कहना है कि प्राथमिक दृष्टि में मौत का कारण सीढ़ी से गिरना सामने आ रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कारणों का पता चल पाएगा।

कंपनी सुपरवाइजर की संदिग्ध मौत, केस दर्ज

अंबाला। तेपला स्थित एक निजी कंपनी में काम कर रहे यमुनानगर के परविंद्र की दूसरी मंजिल से गिरने पर मौत हो गई। हालांकि परिजनों ने किसी अनहोनी होने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले की जांच होने तक शव को अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। साहा थाना प्रभारी कर्मबीर ने बताया कि परिजनों की तरफ से अभी लिखित में कोई शिकायत नहीं आई है। परिजन जो सवाल उठा रहे हैं उनकी हर एंगल से जांच की जा रही है। कर्मचारी परिविंद्र के खुद ही अनियंत्रित होकर गिरने की बात कह रहे हैं। हालांकि परिजन किसी अनहोनी होने की आशंका जता रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल जाएगा।

ऑनलाइन टास्क धोखाधड़ी में चौथा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। साइबर क्राइम पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ से चौथे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद समीम नवासी लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है, अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत (जेल) भेज दिया गया है। अंबाला शहर के दुर्गा नगर वासी रविकांत ने 28 जनवरी 2026 को थाना साइबर क्राइम में धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार दिनांक 30 दिसंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 के बीच आरोपियों ने उन्हें ऑनलाइन टास्क पूरा करने और घर बैठे लाखों रुपये कमाने का झांसा दिया। जाल में फंसाकर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से लगभग 17 लाख रुपये की बड़ी रकम ठग ली थी।

बरसात में जनता परेशान हुई तो अधिकारियों को भी होगी दिक्कत : विज

बाढ़ नियंत्रण तैयारियों को लेकर मंत्री ने अफसरों को ग्राउंड पर दिखाया आईना

कहा, कुंभकरण भी 6 महीने में जाग जाता था, तुम सालभर बाद जागते हो... अधिकारियों पर बरसे, हर साल बरसात से होती है भारी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में बाढ़ नियंत्रण और जल निकासी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों की कड़ी क्लास लगाई। बैठक में नगर परिषद, सिंचाई विभाग, रेलवे, कैंटोनमेंट बोर्ड, नेशनल हाईवे ऑर्थोरिटी समेत कई विभागों के अधिकारियों से एक-एक बिंदु पर जवाब तलब किया। उनके सवालों पर तो कई अधिकारी बगले झांकते नजर आए। विज ने बरसात से पहले टांगरी नदी, नालों की सफाई, ड्रेनों के निर्माण, पानी निकासी और बाढ़ नियंत्रण कार्यों में देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार विभाग समय पर नहीं जागे। उन्होंने तलख अंदाज में कहा, "कुंभकरण भी छह महीने बाद नींद से जाग जाता था, लेकिन यहां कुछ विभाग तो एक साल बाद जागते हैं।" इस दौरान डीसी अजय तोमर, सीईओ कैंटोनमेंट बोर्ड राहुल आनंद शर्मा, सिंचाई विभाग से एसई मनीष भारद्वाज, पीडब्ल्यूडी से एसई भूपेंद्र सिंह, नप ईओ देवेंद्र नरवाल, जीएम रोडवेज अश्विनी डोगरा, जनस्वास्थ्य विभाग से एक्सईएन हरभजन सिंह सहित नेशनल हाईवे, रेलवे सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अंबाला। अधिकारियों की मीटिंग लेते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

अफसरों से पूछा अब तक सफाई क्यों नहीं?

मंत्री ने गुडगुडिया नाले की सफाई के लिए जिम्मेदार नगर परिषद, कैंटोनमेंट बोर्ड और रेलवे अधिकारियों से कड़े सवाल पूछे गए। उन्होंने पूछा कि बरसात सिर पर है, फिर भी व्यापक स्तर पर सफाई कार्य क्यों शुरू नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि कागजों में नहीं, जमीन पर काम दिखाई देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आईना दिखाते हुए कहा कि बाढ़ नियंत्रण कार्यों के लिए जिम्मेदार अफसरों को वह स्वयं विभिन्न स्थलों पर ले जाकर बताएंगे कि वास्तविक स्थिति क्या है? कितना काम अभी बाकी है। बैठक के बाद उन्होंने कई बिंदुओं पर ग्राउंड रियलिटी का भी जायजा लिया।

अधूरे कामों पर जताई नाराजगी

मंत्री अनिल विज ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से चंद्रपुरी से मच्छौंडा तक ड्रेन से टांगरी नदी में पानी निकासी के लिए डाली गई भूमिगत पाइपलाइन पर आपत्ति जताई और कहा कि पूर्व में भी इस पानी लाइन को लिफ्ट कर नदी में पानी छोड़ने के लिए कहा गया था जोकि अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने महेशनगर ड्रेन के अधूरे कार्यों पर अधिकारियों से जवाब मांगा। उन्होंने कहा ड्रेन का निर्माण पूर्व में आईआईटी रूड़की द्वारा डिजाइन किया गया था आगे भी ड्रेन उसी डिजाइन के हिसाब से बनाई जाए। उन्होंने टांगरी नदी के संकरे होते बहाव क्षेत्र पर भी उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि पीछे से चौड़ी नदी शहर में आते-आते छोटी हो जाती है, जिससे जल प्रवाह प्रभावित होता है और बाढ़ का खतरा बढ़ता है। विज ने अधिकारियों को याद दिलाया कि पिछले वर्ष इंडस्ट्रियल एरिया की दीवार तोड़े जाने से पानी अंदर घुस गया था। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इस बार ऐसी स्थिति न बने और जरूरत पड़े तो पुलिस सुरक्षा भी लगाई जाए। साथ ही चारदीवारी निर्माण कार्य में तेजी लाने के आदेश दिए।

नेशनल हाईवे अधिकारियों से भी मांगा जवाब

जगाधरी रोड क्षेत्र में पानी निकासी को लेकर मंत्री विज ने एनएचएआई अधिकारियों से सवाल किए। उन्होंने कहा कि टांगरी और बेगना नदी के बीच पानी का बहाव बाधित होता है और भारी बारिश में समस्या पैदा होती है। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि व्यवस्था में सुधार की जरूरत है और बरसात से पहले कार्य पूरा करने का भरोसा दिया। बैठक के दौरान मंत्री ने दिल्ली के एक होटल में आग लगने से हुई जनहानि का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार विभागों की लापरवाही भी जिम्मेदार होती है। उन्होंने कहा कि अंबाला में भी बाढ़ नियंत्रण को लेकर किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा जिम्मेदारी अधिकारी अपने कार्यों को गंभीरता से करें ताकि समय रहते कार्य हो और जनता को नुकसान से बचाया जा सके। विज ने छावनी बाजारों में स्वच्छता बनाए रखने, गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग डस्टबिन में डालने तथा सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेलवे रोड व एसडीएम कार्यालय के आसपास अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाने व इलाके में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने को कहा ताकि बरसातों के समय पानी निकासी सुचारू रूप से होती रहे।

महिला से लूट के मामले में जेल में रची थी साजिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

बराड़ा। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

यहां की करनाल कॉलोनी में बुजुर्ग महिला से दिनदहाड़े हुई लूट के मामले में पुलिस जांच के दौरान कई अहम खुलासे हुए हैं। मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को अदालत ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब इस वारदात के मुख्य साजिशकर्ता दलीप उर्फ विक्की की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है, जो अभी भी फरार है। बुधवार देर रात सीआईए नारायणगढ़ की टीम ने बराड़ा फ्लाईओवर के नीचे हुई मुठभेड़ के बाद वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी थी। अस्पताल से उपचार के बाद छुट्टी मिलने पर उन्हें अदालत में पेश किया गया जहां से तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। 26 मई को करनाल कॉलोनी में घर में अकेली मौजूद बुजुर्ग महिला विद्या देवी को तीन बदमाशों ने निशाना बनाया था। आरोपियों ने घर में घुसकर उनसे सोने के जेवर लूट लिए थे। विरोध करने पर बदमाशों ने पिस्तौल की बट से हमला कर उन्हें घायल भी कर दिया था। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उधम पुत्र सुरेश कुमार निवासी मुरादाबाद तथा ऋतिक पुत्र राजेश कुमार निवासी सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि इस लूटकांड की पूरी साजिश दलीप उर्फ विक्की ने रची थी। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं। ऋतिक के खिलाफ उत्तर प्रदेश में मारपीट सहित तीन मामले दर्ज हैं जबकि उधम के खिलाफ भी एक आपराधिक मामला दर्ज है। फरार दलीप उर्फ विक्की के खिलाफ बराड़ा में रंगदारी मांगने और पुलिस कर्मियों से मारपीट करने जैसे मामले दर्ज हैं।

जेल में बनी थी योजना

जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी दलीप और ऋतिक की मुलाकात सहारनपुर जेल में हुई थी। वहीं दोनों के बीच क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बनी। दलीप पहले बराड़ा क्षेत्र में रह चुका है और उसे इलाके की पूरी जानकारी थी, जिसका फायदा उठाकर उसने वारदात की योजना तैयार की। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि वारदात से पहले आरोपी काफी देर तक कॉलोनी में घूमकर घर की गतिविधियों पर नजर रखते रहे। घर के बाहर कार खड़ी होने के कारण वे मौके का इंतजार करते रहे। जैसे ही कार वहां से हटी, तीनों बदमाश घर में घुस गए और लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

उचाना कलां पैक्स के राजपाल डूमरखा प्रधान और ईश्वर सिंह बने उपप्रधान

उचाना। उचाना कलां पैक्स प्रधान, उप प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। चुनाव अधिकारी के तौर पर निरीक्षक सहकारी समितियां संजीव कुमार पहुंचे। चुनाव कार्यवाही का अधिकारी रघुबीर पूनिया को दिया गया। नवनियुक्त पैक्स डायरेक्टरों ने प्रबंधक कमेटी के प्रधान, उप प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से किया। उचाना कलां डायरेक्टर सुरेश नंबरदार ने प्रधान पद के लिए राजपाल डूमरखा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। डूमरखा कलां डायरेक्टर रमेश कुमार ने उप प्रधान के लिए ईश्वर सिंह उचाना कलां के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया। राजपाल सिंह ने कहा कि जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे निष्ठा से बिना किसी भेदभाव के निभाने का काम करेंगे। पैक्स में आमजन, किसानों के लिए जो-जो योजनाएं शुरू की गई है उनका लाभ हर किसी को मिले ये कोशिश रहेगी। डायरेक्टर गोपी, सतीश कुमार, बादल, विकास, मनीषा, नन्ही देवी, विकास सफा खेड़ी, राजमल, सुरेश उचाना, राजीव डूमरखा, रूद्र, मुकेश, सुभाष चंद्र, राजेश, शीलू, दलबीर मौजूद रहे।

217वें आर्मी पायलट कोर्स में प्रतीक सैनी बना 'बेस्ट ऑफिसर'

अंबाला। शहर के एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल के पूर्व छात्र प्रतीक सैनी (बैच 2017–18) को 217वें आर्मी पायलट कोर्स (हेलीकॉप्टर) का 'बेस्ट ऑफिसर' चुना गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित समापन समारोह के दौरान दिया गया। यहां 22 आर्मी अधिकारियों की स्टेज-1 ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। सैनी के असाधारण समर्पण, नेतृत्व क्षमता, पेशेवर कुशलता और बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें यह खास सम्मान मिला है। उनकी यह शानदार उपलब्धि स्कूल के दिनों में उनमें विकसित अनुशासन, दृढ़ता और उत्कृष्टता के मूल्यों को दर्शाती है और सभी छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रबंधक समिति के सदस्य प्रधान रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, मैनेजर रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, प्रबंधक समिति के सलाहकार रविकांत जैन - के साथ-साथ प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत और एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल के स्टाफ ने प्रतीक सैनी को दिल से बधाई दी। देश की सेवा में उनकी निरंतर सफलता की कामना की साथ ही पूर्व छात्र की कामयाबी पर गर्व भी महसूस किया।

बस क्यू शेल्टर निर्माण में केस दर्ज का विरोध शुरू

अंबाला। ब्राह्मण माजरा गांव में प्रस्तावित बस क्यू शेल्टर के निर्माण को लेकर हुए विवाद में दर्ज केस का विरोध शुरू हो गया है। आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज होने के विरोध में सर्व समाज के लोग सामने आ गए। गांव की आंगनबाड़ी केंद्र में महापंचायत हुई। जिसमें अंबाला, यमुनानगर, समालखा, कुरुक्षेत्र, सहारनपुर आदि शहरों से विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व लोगों ने भाग लिया। उन्होंने 29 मई को बस क्यू शेल्टर की रंजिश के चलते वाटर कूलर से पानी पिलाने को लेकर हुए झगड़े के बाद एक पक्ष पर दर्ज किए एससी-एसटी एक्ट को गलत बताया और निष्पक्ष जांच व मुकदमा खारिज करने की मांग उठाई।

115 ग्राम हेरोइन और गाड़ी सहित चार आरोपी गिरफ्तार, केस दर्ज

- ऑपरेशन मैदान के तहत पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मैदान' को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में 115 ग्राम हेरोइन और एक गाड़ी सहित चार नशा तस्करों को काबू किया है। इसके अलावा, सीआईए ने एनडीपीएस एक्ट के एक पुराने मामले में भी एक भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में सीआईए-1 की टीम ने गाड़ी सवार 3 तस्करों से 102.5 ग्राम हेरोइन जब्त की। जांच टीम ने थाना पड़ाव क्षेत्र के अंतर्गत टांगरी पुल शाहपुर के पास नाकाबंदी की। इस दौरान एक संदिग्ध गाड़ी को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमें सवार तीन आरोपियों से 102.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर थाना पड़ाव में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचानः अजय कुमार वासी मुलाना, विकास वासी इंद्रा कॉलोनी और सौरभ वासी सिकलीगर मोहल्ला के तौर पर हुई है। आरोपी विकास कुमार को रिमांड पर लिया गा है। आरोपी सौरभ और अजय

कुमार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपी सौरभ और विकास आदतन अपराधी हैं। दोनों के खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के करीब 5-5 मामले दर्ज हैं। ये आरोपी अदालत से जमानत मिलते ही दोबारा तस्करी के धंधे में लिप्त हो जाते थे।

जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट में प्रतिभा दिखाएंगे डॉ. रजत गोयल

- समर स्कूल में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

मुलाना। डॉ रजत गोयल फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और खुशी की बात है कि डॉ. रजत गोयल का चयन जर्मनी के बर्लिन स्थित विश्व प्रसिद्ध मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय समर स्कूल बाऊंडेड रेशनलिटी डिसिजन मेकिंग इन दि एज ऑफ आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के लिए हुआ है। इस समर स्कूल में विश्व की अग्रणी यूनिवर्सिटियों और शोध संस्थानों से चयनित केवल 30 प्रतिभागियों को स्थान मिला है, जिनमें डॉ. रजत गोयल भारत से एकमात्र प्रतिभागी हैं। यह उपलब्धि न केवल क्षेत्र और प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट विश्व के सबसे प्रतिष्ठित शोध संस्थानों में से एक माना जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता , निर्णय विज्ञान, अर्थशास्त्र, मानव व्यवहार और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में इसके योगदान को वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त है। मैक्स प्लांक सोसाइटी से जुड़े अनेक वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार भी मिल चुके हैं। डॉ. रजत गोयल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली से पीएचडी पूरी की है। उनका शोध कार्य निर्णय समर्थन प्रणाली , कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डेटा-आधारित प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है। एसएस जैन सभा से प्रवक्ता श्रीपाल जैन,अग्रवाल वैश्य सभा , व्यापार मंडल , माता बाला सुंदरी मंदिर कमेटी मुलाना, शिव धाम गौरी ताल मंदिर कमेटी सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे क्षेत्र देश का नाम रोशन किया है।

आरटीए की लाइव लोकेशन लीक, 'आपसी भाईचारा' व्हाट्सएप ग्रुप पर पुलिस की कार्रवाई

- चालान प्रक्रिया के दौरान हुआ था खुलासा, ग्रुप से 305 सदस्य जुड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

शहजादपुर थाने में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों और प्रवर्तन टीमों की लाइव लोकेशन लीक करने वाले एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। आरटीए के सह-सचिव सुशील कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पूरी कार्रवाई /"आपसी भाईचारा/" नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप के खिलाफ की गई है, जिसमें करीब 305 सदस्य जुड़े हुए हैं। इस ग्रुप के मुख्य एडमिन के रूप में कप्तान सिंह (मोबाइल नंबरः 916006065203) और गब्बर सिंह (मोबाइल नंबरः 916006065202) की पहचान की गई है। पुलिस ने इस मामले में शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिताकी विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब इस ग्रुप के एडमिन और बाकी सभी 305 सदस्यों की संलिप्तता की बारीकी से जांच कर रही है ताकि सरकारी काम में बाधा डालने वाले इस पूरे सिंडिकेट को तोड़ा जा सके।

वाहन चेकिंग के दौरान हुआ खुलासा

जांच टीम 5 जून 2026 को नारायणगढ़ के बनौंदी स्थित शुगरमिल के पास वाहनों की चेकिंग (चालान प्रक्रिया) कर रही थी। इसी दौरान पंजाब नंबर के एक संदिग्ध वाहन (पंजीकरण संख्याः एचआर 37 एफ7027 को रोका गया। वाहन के चालक गुरजीत सिंह पुत्र सिंह राम नवासी बशौली, डेराबस्सी के पास से बरामद सैमसंग गेलेक्सी ए 15 5 जी मोबाइल फोन की जांच करने पर इस पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुलिस जांच और शिकायत के मुताबिक आरोपी चालक गुरजीत सिंह /"आपसी भाईचारा/" नाम के व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य पाया गया। इस ग्रुप में आरटीओ और अन्य प्रवर्तन टीमों की लाइव लोकेशन और मूवमेंट की पल-पल की जानकारी सांझा की जा रही थी।

युवा हमारे समाज का स्वर्णिम भविष्य : विक्रम

शहजादपुर। फतेहगढ़ क्रिकेट क्लब द्वारा गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दूर दराज से आकर टीमों ने भाग लिया इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि विक्रांत शर्मा ने कहा कि खेल हमारे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास में अग्रिणी भूमिका अदा करते हैं और खेलो से ही हमारे अंदर संगठित होकर संघर्ष करने कि भावना पैदा होती हैं और इस भावना को धारण करने से युवा पीढ़ी सामाजिक बुराइयों से दूर रहती हैं और हम सबका भी दायित्व बनता हैं कि अपने युवाओं को सही मार्ग कि ओर अग्रसर रहने के लिए सहयोग करें क्योंकि हमारे युवा हमारे समाज का स्वर्णिम भविष्य है और इस धरोहर को संजोकर रखना हम सब कि नैतिक जिम्मेवारी बनती हैं इस अवसर पर फतेहगढ़ क्रिकेट क्लब के सदस्य बंटी, डिंपी, संजू, विक्की, जेन्टी और सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश, रामपाल राणा, जंगशेर सिंग रामपाल, आदि काफी ग्रामीण मौजूद रहे।

चालक ने ट्रक में फंदा लगाकर दी जान, केस दर्ज

अंबाला। इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार सुबह एक युवक ने अपने ही ट्रक में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही साहा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी बबलू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बबलू अपने ट्रक में माल लादकर यहां स्थित फ्रूटी फैक्ट्री में आया था। शाम के समय फैक्ट्री में ट्रक खाली करने के बाद वह वहीं रुका हुआ था। सुबह जब लोगों ने उसे संदिग्ध परिस्थितियों में देखा, तो मामले का खुलासा हुआ। सिविल अस्पताल भिजवाया शव साहा थाना पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को इस हादसे की सूचना दे दी है। परिजनों के अंबाला पहुंचने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा। युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इस बात का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। साहा पुलिस मामले की हर पहलू से गहनता से जांच कर रही है। परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

ग्रिल चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया है। मॉल रोड के गौरव शिकायत दर्ज कराई थी कि चोरों ने मकान नंबर 103, मॉल रोड के सामने से लोहे की ग्रिल चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों की पहचान सतीश कुमार निवासी मॉल रोड व अमन उर्फ मोर वासी लाल कुर्ती के तौर पर हुई है। पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई लोहे की ग्रिल को बरामद कर लिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

समर कैंप के दूसरे दिन की ईश्वरीय स्मृति से की गई शुरुआत

बच्चे सोने से एक घंटा पहले बनाएं मोबाइल से दूरी : शैली

जिंदगी का नाम खुशी, हम जो कुछ भी करते हैं वो लक्ष्य के साथ करते हैं, इसलिए लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। शिविर में विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते बच्चे।

अंबाला छावनी के दयागबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय शांतिधाम में चल रहे डिवाइन किड्स समर कैंप के दूसरे दिन की शुरुआत ईश्वरीय स्मृति से की गई। यह कैंप गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के व्यक्तित्व के विकास के उद्देश्य से आयोजित किया गया हैं। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी बीके शैली दीदी ने आत्म विश्वास को बढ़ाने के लिए प्रेक्टिकल उदाहरण के साथ, सहज विधि सांझा की। उन्होंने बताया हमें रोज़ सुबह उठते साथ ही और रात को सोते समय ये संकल्प बार बार करना है की में हर परिस्थिति का डटकर सामना करने वाली विजयी रत्न आत्मा हूं एवम् सफ़लता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। दीदी ने सभी को बताया मन को भटकाने वाली बातों से बचने के लिए मेडिटेशन करते हैं। मेडिटेशन में हमें अपने मन को टिकाना हैं लेकिन उससे पहले हमारा शरीर भी टिका हुआ हो। हमारी बैठक ठीक होनी चाहिए। दीदी ने सभी को मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए बताया जैसे आसमान में तारे चमकते हैं । वैसे ही चमकता हुआ सितारा अपने मस्तक पर देखो। अपने आप को बताओ ये मैं हूं। ऊर्जा का सोर्स आत्मा हूं। जब हम अपने को सॉल समझेंगे तो हमारा गुस्सा समाप्त होता जाएंगा। हमें अपने आपको याद कराना हैं में शक्तिशाली आत्मा हूं। मोटिवेशनल स्पीकर राकेश मेहता भाई ने कहा जिंदगी का नाम है खुशी। हम जो कुछ भी करते हैं वो एक लक्ष्य के साथ करते हैं। भगवान ने हमें इस दुनिया में भेजा हैं कुछ करने के लिए कुछ बनने के लिए। जिस प्रकार पेड़ पर लगे फल को तोड़ने के लिए टारगेट पर निशाना लगाते हैं उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में क्या बनना हैं। ये लक्ष्य निर्धारित करना ज़रूरी है। हमारे गोल्स हमें हमारे जीवन का उचित रास्ता बताते हैं। जब हमनें लक्ष्य निर्धारित कर लिया तो हमें खुशी मिलती हैं और शरीर में एक नई उर्जा का प्रवाह होता हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

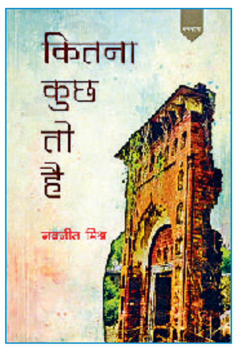

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तकः कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखकः** नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** भावना प्रकाशन, दिल्ली

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

शिमला समर फेस्टिवल-2026
सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सवः शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शनः शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

कलाकारों को मिलेगा अवसरः आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदानः यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यमः शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है।*

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ
बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माणः टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करनाः अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करनाः वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारेंः अक्सर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करेंः जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्तिः यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखेंः सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलावः समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगामः अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएंः किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उस क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है।*

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्लेः म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अक्सर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपराः ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेटः इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

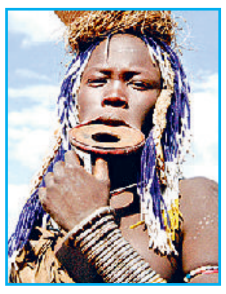

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है।*

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है।*

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।